प्रेषक.

प्रतीप सिंह शवत, अनु सचिव, उत्तराचल शासन ।

रोवा में

प्रभारी मुख्य अभियन्ता स्तर-। लोक निर्माण विभाग, देहरादून ।

लोक निर्माण अनुभाग-2 देहरादूनः दिनोंक ई दिसम्बर,2005 विषय:- टिहरी बाँध झील से ऋषिकेश -उत्तरकाशी गार्ग के अतिशीघ डूबने वाले भाग के वैकल्पिक गार्ग डोंबरा-जाख नई टिहरी गार्ग एवं स्थासू पुल से बागवाटा तक मोटर गार्ग को तुरन्त आरम्भ किये जाने के संबंध में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक जिलाधिकारी टिहरी, के पत्र सं० 374/24-1 दिनांक 21.11.2005 अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग चम्बा के पत्र सं० 2805/1री दिनांक 17.11.2005 तथा श्री फूल सिंह बिग्ट मा० सदस्य विधान सभा , उत्तरांचल के पत्र दिनांक 29.11.2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि शासनादेश सं० 1439/111-2/05-49 (प्रा.आ.)/2005 -टी.सी. दिनांक 03 अगरत, 2005 के संलग्नक के कमांक स0-3 पर रतीकृत कार्य डांबरा-गरोंडा जाख से नई टिहरी मोटर मार्ग का नव निर्माण एवं कमांक स0-9 पर उल्लेखित कार्य स्थार्त पुल से श्रागवाद्या तक मोटर मोटर मार्ग का निर्माण वित्तीय हरतपुरितका खण्ड-6 के प्रस्तर-375 (ख) में निहित प्राविधानों के अनुसार तात्कालिक प्रमान से बिना प्रशासकीय एवं निविद्य से कार्य किये जाने की अनुमति श्री संज्यपाल महोदय इस प्रतिबन्ध के साथ प्रदान करते है कि विभागीय औपचारिकताए तत्काल पूर्ण कर ली जाएगी तथा उक्त प्रस्तर-375 के उपप्रस्तर (ख) की समस्त प्रकियाओं का अनुपालन अवश्य सुनिश्चित किया जायेगा । वित्तीय नियम की फोटो प्रति संलग्न कर प्रेषित की जा रही है। संलग्नक:- यथोवत।

भवदीय,

(प्रदीप सिंह रावत) अनु सचिव।

संख्या-2697(1)/111(2)/05 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवादी हेत् प्रेपितः

- गहालेखाकार (लेखा प्रथम) उत्तरांचल,देहरादून ।
- अासुक्त गढवाल, मण्डल पोडी ।
- 3- जिलाधिकारी /कोपाधिकारी, टिहरी ।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- िनदेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, देहसदून ।
- 6- निजी राधिव, मा० मुख्य मंत्री जी को मा० मुख्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ ।
- मुख्य अभियन्ता गढ़वाल क्षेत्र लो.नि.वि. पौडी ।
- 8- अधीक्षण अभियन्ता, २७ वां वृत्ता,लोक निर्माण विभाग,टिहरी ।
- 9- अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड,लोठनिठविठ वम्बा ।
- 10- विस्त अनुमाग-2/ विस्त नियोजन प्रकोध्त, उत्तरांवल शारान ।
- 11- लोक निर्भाण अनुमाय-1/3 गार्च युक्त ।

आझा से ट्रा ४ (८ ५५६) (प्रदीप सिंह सपत) अनु सङ्ग्रियः